



75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



आम बागवानी की डायरी



भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान
ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture

रहमानखेड़ा, लखनऊ / Rehmankhhera, Lucknow - 226101



आम बागवानों की डायरी

संकलन एवं संपादन

अंशुमान सिंह

विश्वम्भर दयाल

पी. के. शुक्ल

दुष्यंत मिश्रा

संजय सिंह

एस. के. शुक्ल

गुणडप्पा



भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान
ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture

रहमानखेड़ा, लखनऊ / Rehmankhhera, Lucknow





उचित उद्धरण

सिंह, अंशुमान, दयाल, विशम्भर, शुक्ल, पी.के., मिश्रा, दुष्यंत, सिंह, संजय, शुक्ल, एस.के., गुण्डप्पा (2022) आम बागवानों की डायरी. भा.कृ.अनु.प.—केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ, भारत, तकनीकी बुलेटिन 2022 / 2, पृष्ठ 28

प्रकाशक

डॉ. नीलिमा गर्ग, निदेशक

भा.कृ.अनु.प.—केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेड़ा, लखनऊ—226 101 (उ.प्र.) भारत

संकलन एवं संपादन

अंशुमान सिंह, विशम्भर दयाल, पी. के. शुक्ल, दुष्यंत मिश्रा, संजय सिंह, एस. के. शुक्ल, गुण्डप्पा

टाइप सेटिंग एवं कम्पोजिंग

सुभाष पाण्डेय, वीरेन्द्र कुमार गौतम

अस्वीकरण

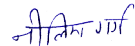
यह सुनिश्चित करने के लिए योगदानकर्ता, संपादक मंडल और प्रकाशक द्वारा सभी तथ्यों का ध्यान रखा गया है कि इस प्रकाशन में निहित जानकारी शोध के निष्कर्षों और प्रलेखित जानकारी के प्रकाशन के समय सत्य और सही है, किन्तु संस्थान किसी भी जानकारी की सटीकता या इस प्रकाशन में निहित सुझाव या स्थितियों में उनकी उपयुक्तता के रूप में आश्वासन नहीं देता है। कोई भी व्यावसायिक उद्यम या निवेश निर्णय पेशेवर पुनर्मूल्यांकन प्राप्त किए बिना इस दस्तावेज पर निर्भर नहीं किया जाएगा।

मुद्रण : प्रिन्टलोक, राजाजीपुरम, लखनऊ—226 017, मो.: 7071525957



प्राक्कथन

अपने विशिष्ट स्वाद व सुगंध के लिए प्रसिद्ध फलों के राजा आम की व्यावसायिक खेती उत्तर प्रदेश सहित भारत के कई राज्यों में बड़े स्तर पर की जाती है। उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा आम उत्पादक राज्य है जो कि आम की कुछ लोकप्रिय किस्मों जैसे दशहरी और लंगड़ा की खेती के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। हालाँकि, दूसरे आम उत्पादक प्रदेशों की तुलना में उत्तर प्रदेश में आम की औसत उत्पादकता कम है जिसका एक मुख्य कारण बागों की सही देखरेख न हो पाना है। भा.कृ.अनु.प.—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ आम के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हेतु उन्नत तकनीकियों के विकास और आम बागवानों तक उनके प्रसार हेतु कटिबद्ध है। विगत कुछ दशकों में ऐसी तकनीकियों के अंगीकरण से आम उत्पादकों के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। ऐसा देखने में आता है कि कुछ कारणों से किसान ऐसी उन्नत तकनीकियों से अवगत होने के बावजूद उन्हें या तो नहीं अपनाते हैं या फिर आंशिक ढंग से ही अपनाते हैं जिससे आम की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पूर्व में कई प्रगतिशील किसानों ने हमसे संपर्क साधकर ऐसे प्रकाशन की मांग की है जिसके द्वारा आम उत्पादक किसान अपने बागों में माह-वार किए जाने वाले विभिन्न कार्यों को सहज भाषा में समझ सकें और ऐसे कार्यों का लेखा जोखा भी तैयार रख सकें। इन तथ्यों के दृष्टिगत 'आम बागवानों की डायरी' शीर्षक से तैयार इस प्रसार सामग्री का प्रकाशन बहुत महत्वपूर्ण है। इस डायरी के माध्यम से किसानों को आम की उन्नत बागवानी हेतु प्रेरित करने के साथ ही उनके द्वारा विभिन्न संस्तुत तकनीकियों के अंगीकरण में आने वाली बाधाओं को चिन्हित करने का प्रयास किया गया है। मैं आशा करती हूँ कि इस डायरी में प्रस्तुत माह-वार आवश्यक क्रियाओं को अपना कर आम उत्पादक अवश्य ही लाभान्वित होंगे और हमें उनकी विभिन्न समस्याओं के निवारण हेतु सही दिशा में अनुसंधान करने की प्रेरणा मिलेगी। यह डायरी आम के निर्यात हेतु वांछित ट्रेसेबिलिटी साक्ष्य के रूप में भी उपयोगी सिद्ध हो सकती है।


डॉ. नीलिमा गर्ग
निदेशिका





सामाजिक-आर्थिक पहलू

1. नाम :
2. उम्र :
3. मो. नम्बर :
4. पता :
5. शिक्षा :
6. परिवार में सदस्यों की संख्या :
7. कुल खेती (हेक्टेयर) :
8. आम के अन्तर्गत क्षेत्रफल (हेक्टेयर) :
9. खेती में सलग्न सदस्यों की संख्या :
10. आय के अन्य स्रोत :
11. पशुधन की संख्या :
12. ट्रैक्टर एवं अन्य फार्म उपकरण :
13. क्या आप अनुसंधान एवं प्रसार संस्थाओं जैसे के.उ.बा.संस्थान के सम्पर्क में रहते हैं— हाँ / नहीं
14. क्या आप ने कभी आम / किसी दूसरी फसल में ड्रिप सिंचाई अपनाई है— हाँ / नहीं
15. मुख्य मार्ग से आपके बाग की दूरी :
16. बिजली आने की अवधि (घण्टों में) :
17. भूमि का जलस्तर :
18. उर्वरक / कीटनाशक खरीदने का स्रोत :



बाग संबंधी विवरण

1. बाग की आयु (वर्षों में):
2. आम की प्रजातियाँ/किस्में :
3. पौध रोपण दूरी (मी. × मी.)
4. क्या किसी अन्य फल की खेती कर रहे हैं— हाँ / नहीं
5. आम बेचने की विधि : स्वयं द्वारा/ठेकेदार द्वारा
6. सिंचाई के साधन जैसे ट्यूबवेल, नहर या सिंचाई के लिए दूसरे किसान पर निर्भरता :
7. प्रत्येक पेड़ से औसत उत्पादन लगभग (किग्रा.) :
8. उपज में लगभग वृद्धि/घटोत्तरी (लगभग % में) : 2023..... 2024..... 2025.....
9. वर्ष में खेती की जुताई कितनी बार और कब-कब करते हैं, प्रत्येक जुताई पर अनुमानित खर्च :
10. सिंचाई कितनी बार करते हैं अनुमानित खर्च रुपये
11. खाद की मात्रा/पेड़/वर्ष : किग्रा. अनुमानित खर्च रुपये
12. उर्वरक (नत्रजन, फास्फोरस, पोटेश)/वर्ष/पेड़ : किग्रा. अनुमानित खर्च रुपये.....
13. सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग : अनुमानित खर्च रुपये
14. कीटनाशकों का प्रयोग : अनुमानित खर्च रुपये
15. बीमारियों का नियंत्रण : अनुमानित खर्च रुपये
16. आप आम की खेती क्यों करते हैं—
आय का स्रोत/सामाजिक प्रतिष्ठा/पुरखों की परम्परा/अन्य कारण
17. आम की खेती में मुख्य बाधाएँ.....
18. आम की खेती से आय :



मृदा स्वास्थ्य परीक्षण संबंधी विवरण

मानक	मृदा परीक्षण परिणाम		
	2023	2024	2025
पी. एच.			
विद्युत चालकता (EC)			
ऑर्गेनिक कार्बन			
उपलब्ध नाइट्रोजन			
उपलब्ध फास्फोरस			
उपलब्ध पोटैश			
उपलब्ध सल्फर			
उपलब्ध जिंक			
उपलब्ध बोरान			
उपलब्ध लोहा			
उपलब्ध मैगनीज			
उपलब्ध कापर			



तुड़ाई-उपरांत प्रबंधन संबंधी विवरण

1. फलों के तुड़ाई का तरीका : हाथ द्वारा / कटिया द्वारा / तोड़क यंत्र द्वारा / अन्य विधि
2. क्या आप सी.आई.एस.एच. हार्वैस्टर का उपयोग करते हैं : हाँ / नहीं
3. फलों की प्रिकूलिंग करते हैं या नहीं : हाँ / नहीं
4. क्या आप आम की ग्रेडिंग करते हैं : हाँ / नहीं
5. यदि ग्रेडिंग करते हैं तो A, B और C ग्रेड के फलों का प्रतिशत :
6. क्या आप डिब्बाबंदी करते हैं : हाँ / नहीं
7. क्या आप अपनी उपज मण्डी खुद पहुँचते हैं : हाँ / नहीं
8. क्या आपने कभी आम का निर्यात (विदेशों में) किया है : हाँ / नहीं
9. क्या आपको आम के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन से जुड़ी जानकारी है / प्रशिक्षण प्राप्त है : हाँ / नहीं
10. यदि हाँ तो किन उत्पादों का निर्माण करते हैं :



जनवरी महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
जीर्णोद्धार हेतु कटाई किए गए पेड़ों के पास थालों एवं सिंचाई की नालियों का निर्माण			
जाला कीट के प्रकोप वाले क्षेत्रों में पेड़ों के चारों ओर गुड़ाई			
दिसम्बर के महीने में लगाए गये पॉलीथीन ट्री बैंड को साफ कर सुव्यवस्थित करना			
अच्छी फल सेटिंग के लिए बागों में मधुमक्खी के बक्सों की व्यवस्था			
नए पौधों को पाले से बचाने के लिए नियमित हल्की सिंचाई और पुआल से ढकने की व्यवस्था			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिह्न लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



फरवरी महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
मिज और हॉपर कीट (भुनगा) (5-10 भुनगा प्रति बौर से अधिक) को नियंत्रित करने के लिए इमिडाक्लोप्रिड (0.33 मिली / 1 ली. पानी) का छिड़काव			
फूल आने के दौरान खर्रा फफूंदी रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) के नियंत्रण के लिए घुलनशील सल्फर (2 ग्राम/1 ली. पानी) का एक छिड़काव और दूसरा हैक्जाकोनाजोल (1 मिली / 1 ली. पानी) का 10-20 दिनों के बाद। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्शियस से कम होने पर ये छिड़काव नहीं करने हैं			
बौर के झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम + मैन्कोजेब (2 ग्राम/1 ली. पानी) या ट्राईलाक्सीस्ट्रॉबिन + टेबूकोनाजोल (0.5 ग्राम/1 ली. पानी) का छिड़काव			
अल्काथेन ट्री बैंड को साफ कर सुव्यवस्थित करना			
रोग एवं कीट ग्रसित पत्तियों और पुराने गुम्मा बौर को हटाना			
जीर्णोद्धार हेतु कटाई किए गए पेड़ों में 1.25 किग्रा यूरिया, 3 किग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट एवं 1.5 किग्रा. म्युरेट आफ पोटाश का प्रयोग			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिह्न लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



मार्च महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
खर्रा फफूंदी रोग (पाउडरी मिल्ड्यू) के नियंत्रण के लिए आवश्यकतानुसार विलयनशील सल्फर (2 ग्राम/1 ली. पानी) का एक छिड़काव और दूसरा हेक्जाकोनाजोल (1 मिली/1 ली. पानी) का 10-20 दिनों के बाद। अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से कम होने पर ये छिड़काव नहीं करने हैं।			
मटर के दाने के बराबर फल होने पर (यदि वर्षा हो तो) ट्राईफलाक्सीस्ट्रॉबिन + टेबूकोनाजोल (0.5 ग्राम/1 ली. पानी) या हेक्जाकोनाजोल (1 मिली/1 ली. पानी) का छिड़काव			
भुनगा कीट की रोकथाम हेतु पुष्प गुच्छ निकलने के पूर्व या फल बैठने के बाद आवश्यकतानुसार प्रोफेनोफास (1.5 मिली/1 ली. पानी) या थायामेथोकजाम (0.3 ग्राम/1 ली. पानी) का छिड़काव			
रूजी कीट (थ्रिप्स) के नियंत्रण हेतु थायामेथोकजाम (0.3 ग्राम/1 ली. पानी) का छिड़काव			
जीर्णोद्धार वाले बागों में मध्य मार्च में पहली सिंचाई एवं 15-20 दिन के अन्तराल पर सिंचाई			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिन्ह लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



अप्रैल महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
पहले सप्ताह में 1.25 किग्रा यूरिया और 0.75 किग्रा म्यूरेंट ऑफ पोटाश थालों में मिला कर हल्की सिंचाई			
फल गिरने से बचाने के लिए जब फल मटर के दाने के आकार के हों तो नेपथलीन एसिटिक एसिड (20 पीपीएम-यानी 2 ग्राम / 100 ली. पानी) के छिड़काव			
जब फल कंचों के आकार के हों तो 10-12 दिनों के अंतराल पर सूक्ष्म पोषक तत्वों के मिश्रण का 4 ग्राम / 1 ली. का 2-3 छिड़काव			
दीमक के नियंत्रण हेतु क्लोरपाइरीफॉस (200 मिली / 100 ली. पानी) का तनों पर छिड़काव			
जब फल मटर के आकार के हो जाएँ तो सिंचाई शुरू कर 7-10 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करना			
हॉपर (भुनगा) कीट का प्रकोप होने पर इमिडाक्लोप्रिड (0.3 मिली / 1 ली. पानी) या डाइमथोएट (2 मिली / 1 ली. पानी) का छिड़काव			
फल मक्खी के नियंत्रण हेतु फेरोमोन ट्रैप (मिथाइल यूजेनॉल 0.1%) लगाना (10 ट्रैप / हेक्टेयर)			
फलों में ब्लैक टिप (कोयलिया) एवं आंतरिक विगलन के नियंत्रण हेतु अंतिम सप्ताह में बोरेक्स (4 ग्राम / ली. पानी) का छिड़काव			
तना बेधक के नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफॉस (5 मिली / 1 ली. पानी) के घोल में डुबाई गयी रूई से छिट्रों को बंद करना			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिन्ह लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



मई महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
फल बड़े होने पर भी यदि भुनगा कीट का प्रकोप हो तो इमिडाक्लोप्रिड (0.3 मिली / 1 ली. पानी) का छिड़काव			
फल बेधक कीट के नियंत्रण हेतु लैम्डा साईलोथ्रिन (1 मिली / 1 ली. पानी) का छिड़काव			
ऐसे क्षेत्र जहाँ ब्लैक टिप (कोइलिया) रोग का प्रकोप अधिक हो, में बोरेक्स (4 ग्राम / 1 ली. पानी) का 15 दिनों के अन्तराल पर दो छिड़काव			
तुड़ाई उपरान्त लगने वाले रोगों की रोकथाम हेतु डाईफेनोकोनाजॉल (0.5 मिली / 1 ली. पानी) का 15 दिनों के अन्तराल पर दो छिड़काव			
काली फफूँद के नियंत्रण के लिए डाइमेथोएट (0.5 ग्राम / 1 ली.) एवं गोंद (0.6 ग्राम / 1 ली.) या इण्डियन ऑयल फार्म्युलेशन (1%) का छिड़काव			
नए बाग लगाने के लिए पहले या दूसरे सप्ताह में 50 सेमी व्यास के 1 मीटर गहरे गड्ढे खोदकर उन्हें 15-20 दिन के लिए धूप में छोड़ना			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिन्ह लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



जून महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
फल मक्खी से प्रभावित व गिरे हुए फलों को एकत्र कर नष्ट करना			
अप्रैल में लगाए गए फेरोमोन ट्रैप में गुटकों को बदलना			
जीर्णोद्धार किए गए बागों में यूरिया (1.25 किग्रा प्रति पेड़) का प्रयोग			
बैक्टीरियल कैंकर की रोकथाम हेतु बागों की साफ-सफाई एवं जीवाणुनाशी (200 पी.पी.एम.) अथवा कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्राम/1 ली. पानी) का 15 दिनों के अन्तराल पर दो छिड़काव			
नये बाग लगाने हेतु तैयार गड्डों में पहले या दूसरे सप्ताह में मिट्टी, सड़ी हुई गोबर की खाद (50-60 किग्रा) एवं क्लोरपाइरीफास पाउडर (100 ग्राम) के मिश्रण को भरना			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिन्ह लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



जुलाई महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
पत्ती काटने वाले कीट को नियंत्रित करने के लिए कार्बेरिल (2 ग्राम/1 ली. पानी) का छिड़काव			
रेड रस्ट, एंथ्रेक्नोज तथा अन्य पत्ती धब्बा रोगों की रोकथाम हेतु कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (0.3%) का छिड़काव			
जाला कीट (लीफ वेबर) के नियंत्रण हेतु लैम्डा साईहलोथ्रिन (1 मिली/1 ली. पानी) का छिड़काव			
खेत की साफ-सफाई एवं खरपतवारों का नियंत्रण			
पहले सप्ताह में जल भराव वाले सम्भावित क्षेत्रों में जल निकास की समुचित व्यवस्था			
बाग लगाने हेतु तैयार खेत में जुलाई के दूसरे या तीसरे सप्ताह में प्लान्टिंग बोर्ड की सहायता से पौध रोपण			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिन्ह लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



अगस्त महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
तराई क्षेत्रों में सूट गाल साइला की रोकथाम हेतु डाइमैथोएट (2 मिली/1 ली. पानी) का 15 अगस्त के आस-पास छिड़काव, यदि प्रकोप अधिक हो तो क्विनालफॉस (2 मिली/1 ली. पानी) का 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव। इस छिड़काव से जाला कीट का नियंत्रण भी सम्भव है			
जीर्णोद्धार किए गए बागों में प्रथम सप्ताह में 60-80 किग्रा सड़ी गोबर की खाद प्रति वृक्ष का प्रयोग			
अगस्त के मध्य में सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग (नए पौधों में प्रतिवर्ष लगभग 5-6 किग्रा की दर से और 10 वर्ष या उससे पुराने पेड़ों में 60-80 किग्रा प्रति पेड़ प्रति वर्ष)			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिन्ह लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



सितम्बर महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
बागों में खरपतवार नियंत्रण हेतु जुताई एवं निराई-गुड़ाई			
पहले सप्ताह में 1.25 किग्रा यूरिया, 3 किग्रा सिंगल सुपर फास्फेट और 0.75 किग्रा. म्युरेट ऑफ पोटाश थालों में मिला कर हल्की सिंचाई			
नियमित फलन हेतु थालों में कल्टार (पैक्लोब्यूट्राजाल) (3.2 मिली/मी ² छत्र) का तने से 1-1.5 मी. की दूरी पर 15-25 सेमी. गहरी नाली में प्रयोग। इस रसायन के प्रयोग से पूर्व अगस्त के अंतिम सप्ताह में उर्वरकों की संस्तुत मात्रा अवश्य डाल दी जाए			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिह्न लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



अक्टूबर महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
सूखा रोग या उकठा (विल्ट) की रोकथाम हेतु ग्रसित पौधों की उचित कटाई-छँटाई और कटी शाखाओं पर कॉपर आक्सीक्लोराइड का लेप। जड़ क्षेत्र की मिट्टी की थायोफेनेट मिथाइल (1 ग्राम/1 ली. पानी) के 25 ली. वर्ग मी. घोल से सिंचाई			
शूट गाल साइला एवं जाला कीट से प्रभावित शाखाओं को काटकर नष्ट करना			
बागों में गहरी जुताई एवं खरपतवारों को नष्ट करना			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिन्ह लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



नवम्बर महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
सूखा रोग या उकठा (विल्ट) की रोकथाम हेतु ग्रसित पौधों की उचित कटाई-छँटाई और कटी शाखाओं पर कॉपर आक्सीक्लोराइड का लेप। जड़ क्षेत्र की मिट्टी की थायोफेनेट मिथाइल (1 ग्राम/1 ली. पानी) के 25 ली. वर्ग मी. घोल से सिंचाई			
एंथ्रेक्नोज एवं अन्य संक्रमणों से बचाव हेतु कॉपर आक्सीक्लोराइड (3 ग्रा./ली. पानी) का छिड़काव			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिह्न लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।



दिसम्बर महीने में किये जाने वाले आवश्यक कार्य	2023	2024	2025
गुम्मा रोग से बचाव हेतु जो भी बौर आएँ उन्हें तोड़ना			
गुजिया कीट को वृक्षों पर चढ़ने से रोकने हेतु दूसरे या तीसरे सप्ताह में तनों को चारों मिट्टी (1 किग्रा), पी.ओ.पी. (250 ग्राम) एवं पानी के गाढ़े लेप द्वारा तनों पर लगभग 2 इंच मोटी परत लगाकर उसके ऊपर पॉलीथीन सीट या सेलो टेप गोंद लगी सुतली से बाँधना			
तना भेदक कीट को नियंत्रित करने के लिए छिद्रों की सफाई के बाद डाइक्लोरवोस (500 मिली / 1 लीटर पानी) डालकर छिद्रों को गीली मिट्टी से बंद करना			
नए पौधों को पाले से बचाने हेतु पहले सप्ताह के पुआल या घास-फूस से अच्छी तरह ढ़कना			
पुराने बागों के जीर्णोद्धार हेतु भूमि की सतह से 2-3 मीटर ऊँचाई पर चिन्हित शाखाओं को आरी से काटकर सूखी, ढेड़ी-मेढ़ी एवं बीमार शाखाओं को हटाना और कटी हुई शाखाओं पर फँफूदनाशक दवा (कॉपर ऑक्सीक्लोराइड) या 250 ग्राम अरण्डी के तेल का लेप करना			

नोट : आपने जो किया है उसके सामने टिक लगाएँ, यदि नहीं की है तो का चिन्ह लगायें। यदि सम्भव हो तो तिथि भी डालें। यदि आपको उपरोक्त कृषि क्रियाएँ अपनाने में कोई बाधा है या आपने कोई अन्य तकनीकी/क्रिया अपनाई है तो यहां साफ-साफ लिखें।

किसानों की सेवा में तत्पर

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान
ICAR-Central Institute for Subtropical Horticulture

रहमानखेड़ा, लखनऊ / Rehmankheda, Lucknow - 226101

